myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

हिन्दी (पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के **चार** खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्नपत्र संख्या 3/1/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारे यहाँ सारे देश में भारतीयता की भावना एक राष्ट्रव्यापी स्तर पर सदैव वर्तमान रही है। यह भावना किसी धर्म, राजनीति या भूगोल से संबद्ध ने होकर मूलतः संस्कृति से संबद्ध थी। यदि भारतीयता के मूल स्रोत की बात की जाए तो हम कहेंगे कि यहाँ सदा आदर्श के प्रति निष्ठा रही है। यहाँ समय-समय में अपनाया और वे सबके आदर्श बन गए। एक साझे आदर्श की इस भावना ने सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखा है। अब हम चाहें इसे भारतीयता कहें या राष्ट्रीयता।

भारतीय आदर्शों ने सदा से यही शिक्षा दी है कि शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं, बल्कि पीड़ितों की रक्षा करने में करना चाहिए। हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है। गौतम के दर्शन ने भोग पर त्याग की विजय पर बल दिया। नानक, तुलसी, कबीर ने इन्हीं आदर्शों का सम्मान किया। रामकृष्ण, विवेकानन्द एवं गाँधी भी इन्हीं आदर्शों के प्रचारक थे। यह कहना भ्रामक होगा कि हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है। वह तो कहती है कि शक्तिशाली बनो, पर शक्ति का दुरुपयोग न करो। उसका उपयोग न्याय की रक्षा के लिए करो। देश-विदेश में गाँधी जी को जितना नाम मिला, उसका कारण यही था कि उन्हें भारतीय मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। उन्होंने देश में इन्हीं मानव-मूल्यों को जगाया और आत्मविश्वास की भावना का संचार किया। आदर्शों के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है। आज की समस्याओं का समाधान हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है। देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियाँ उभरती दिखाई दे रही हैं, उनका कारण भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की जानकारी का अभाव ही नहीं है, बल्कि अब हम में उदारता नहीं रही है, हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है, इस संकुचित मनोवृत्ति के कारण हम कमज़ोर होने लगे हैं।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

हम भूल गए हैं कि समाज की आधारशिला जितनी व्यापक होगी, उसके ऊपर उठने वाली इमारत भी उतनी ही ऊँची होगी।

(i) भारतीयता की भावना की क्या विशेषता रही है? 1

(ii) समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखने वाली भावना को आप क्या कहना चाहेंगे और क्यों? 2

(iii) शक्ति के प्रयोग के बारे में भारतीय आदर्श क्या सिखाते हैं? 1

(iv) भारत के महापुरुषों का देश के लिए क्या योगदान रहा है? 1

(v) भारतीय आदर्शों का प्रतीक किसको माना गया और क्यों? 1

(vi) विघटनकारी प्रवृत्तियाँ क्या हैं? ये प्रवृत्तियाँ देश में क्यों उभर रही हैं? 2

(vii) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(viii) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताइए - 1
राष्ट्र, विशाल।

(ix) आदर्श, व्यापक - शब्दों के विपरीतार्थी बताइए। 1

(x) दुरुपयोग एवं प्रतिबद्धता शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय अलग कीजिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4 = 8

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी कूवत को आज जरा आजमाओ तो।

तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे हुओं को, बढ़कर गले लगाऊँगा।
क्यों नीच-ऊँच, कुल, जाति, रंग का भेद-भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष महल ढहाऊँगा।

तुम बढ़ा सकोगे कदम ज्वलित अंगारों पर?
मैं काँटों पर बिंधते-बिंधते बढ़ जाऊँगा।
सागर की विस्तृत छाती पर हो ज्वार नया
मैं कूद स्वयं पतवार हाथ में थामूँगा।

है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
ऊपर से निर्मित होना है आनंद महल
मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(i) यह कविता किसे संबोधित है? कवि उन्हें तलवार की धार पर चलने को क्यों कह रहा है?

(ii) 'भूतल का नया इतिहास' कैसे बनाया जा सकता है?

(iii) देश और समाज के कल्याण के लिए कवि किन-किन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है?

(iv) है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
उपर्युक्त काव्यांश का आशय समझाइए।

अथवा

तुम कुछ न करोगे तो भी विश्व चलेगा ही,
फिर क्यों गर्वीले बन लड़ते अधिकारों को?
सो गर्व और अधिकार हेतु लड़ना छोड़ो,
अधिकार नहीं, कर्तव्य-भाव का ध्यान करो!

है तेज वही, अपने सान्निध्य मात्र से जो
सहचर-परिचर के आँसू तुरत सुखाता है,
उस मन को हम किस भाँति वस्तुतः सु-मन कहें,
औरों को खिलता देख, न जो खिल जाता है?

काँटे दिखते हैं जब कि फूल से हटता मन,
अवगुण दिखते हैं जब कि गुणों से आँख हटे;
उस मन के भीतर दुख कहो क्यों आएगा;
जिस मन में हों आनंद और उल्लास डटे!

यह विश्व-व्यवस्था अपनी गति से चलती है,
तुम चाहो तो इस गति का लाभ उठा देखो,
व्यक्तित्व तुम्हारा यदि शुभ गति का प्रेमी हो
तो उसमें विभु का प्रेरक हाथ लगा देखो!

(i) कवि अधिकारों की चिंता न करने और कर्तव्य-भाव का ध्यान करने के लिए क्यों कह रहा है?

(ii) 'तेज' और 'सुमन' के क्या लक्षण बताए गए हैं?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iii) दुख कैसे मन के भीतर प्रवेश नहीं कर पाता और क्यों?

(iv) आशय स्पष्ट कीजिए:

'काँटे दिखते हैं जब कि फूल से हटता मन,

अवगुण दिखते हैं जब कि गुणों से आँख हटे'

खण्ड - 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 10

(क) **ग्राम्य जीवन** - नगरों की जगमगाहट और गहमा-गहमी से दूर, कच्चे-पक्के घर, सीधे-सादे निवासी, छोटे-बड़े खेत, खेतों में फैली हरियाली, आनन्दप्रद परिवेश।

(ख) **बढ़ती आबादी - एक विकराल समस्यसा :** बढ़त के कारण, देश की आर्थिक स्थिति, संसाधनों एवं योजनाओं पर इसका दुष्प्रभाव, बढ़त रोकने के उपाय, समाधान के प्रयास।

(ग) **रेल के अनारक्षित डिब्बे में यात्रा** - यात्रा का प्रयोजन, डिब्बे के भीतर और बाहर का दृश्य, छोटे-बड़े स्टेशन, प्लेटफार्म के दृश्य, भीड़ के कारण डिब्बे का दमघोंटू वातावरण।

4. यातायात-व्यवस्था को सुधारने के अभियान में नगर की यातायात पुलिस को ग्रीष्मावकाश में आप अपनी सेवाएँ समर्पित करना चाहते हैं। पुलिस अधीक्षक (यातायात) को इस आशय का एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

छात्रावास में रहने वाले छोटे भाई को एक पत्र लिखिए जिसमें योग एवं प्राणायाम का महत्व बताया गया हो और नियमित रूप से इनका अभ्यास करने का सुझाव भी दिया गया हो।

खण्ड – 'ग'

5. (क) क्रियापद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए: 2

(i) मोहन भिक्षुक को भिक्षा देता है।

(ii) तुम्हारी साइकिल पर मेरा मन ललचाता है।

(ख) अव्यय पद पहचान कर उनके भेद लिखिए: 2

(i) शिक्षा के बिना जीवन पशुतुल्य है।

(ii) उसने परिश्रम किया इसलिए श्रेणी में प्रथम आया।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

6. रेखांकित पदों का परिचय दीजिएः 2

मैं कल बनारस जाऊँगा।

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिएः 3

(i) मैं खाना बनाकर अपने काम पर चली गई। (संयुक्त वाक्य में)

(ii) उसने बहुत महँगी कार खरीदी है। (मिश्र वाक्य में)

(iii) यह मेरी पुस्तक है। इसे सब पसन्द करते हैं। (सरल वाक्य में)

8. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : 3

(i) ऐसे समाचार को सुनकर माँ रो भी नहीं सकी। (भाव वाच्य में)

(ii) नेता जी कंबल बाँट रहे हैं। (कर्म वाच्य में)

(iii) तुम्हारे द्वारा इन बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। (कर्तृ वाच्य में)

9. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नामोल्लेख कीजिएः 3

(i) नयन तेरे मीन-से हैं।

(ii) मंद हँसी मुखचंद जुल्हाई।

(iii) कालिंदी-कूल-कदंब की डारन।

खण्ड 'घ'

10. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x3 = 6

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी।

प्रीति-नदी में पाऊँ न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(i) 'ऊधौ' कौन हैं? उन्हें बड़भागी क्यों कहा गया है?

(ii) स्नेह-संबंधों के प्रति उनके वैराग्य को किन उदाहरणों से बताया गया है? स्पष्ट कीजिए।

(iii) गोपिकाओं ने अपने को 'भोरी' क्यों कहा है? उनकी दशा किसकी भाँति हो गई है? स्पष्ट कीजिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

अथवा

बादल, गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो -
बादल, गरजो!

(i) कवि बादल से क्या प्रार्थना कर रहा है? बादल को किसके समान बताया गया है?

(ii) बादल के हृदय में 'विद्युत-छबि' क्यों है? उसको 'नवजीवन वाले' क्यों कहा गया है?

(iii) आशय स्पष्ट कीजिए - 'वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो।'

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×3 = 9

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर परशुराम के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि द्वारा प्रस्तुत सुखद स्वप्न को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर बच्चे की मुसकान के सौन्दर्य को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

(घ) संगतकार जैसे व्यक्ति की संसार में क्या उपयोगिता है? 'संगतकार' कविता के आधार पर समझाइए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x 5 = 5

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।
माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।
जै-जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई।

(i) यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?

(ii) 'अनुप्रास' अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए।

(iii) 'जग-मंदिर-दीपक' का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'मुख-चंद-जुन्हाई' में कौन सा अलंकार है?

(v) काव्यांश किस छंद में लिखा गया है?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

अथवा

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(i) 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?

(ii) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए।

(iii) कविता की एक भाषागत विशेषता बताइए।

(iv) बीती यादों को कवि ने किन शब्दों से चित्रित किया है?

(v) 'क्षण' के लिए प्रयुक्त 'जीवित' विशेषण के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: $2\times3 = 6$

बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितनी संत-समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे? अतः घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौट कर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते, जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किन्तु इस लम्बे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किन्तु टेक वही जवानी वाली।

(i) 'बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई' - कथन का आशय समझाइए।

(ii) 'संबल' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए और बताइए कि भगत को संबल लेने का हक क्यों नहीं था?

(iii) आशय स्पष्ट कीजिए - 'बुढ़ापा आ गया था किन्तु टेक वही जवानी वाली।'

अथवा

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उनकी मृत्यु पर कोई रोएगा। लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।) इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में, जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

(i) अर्थ स्पष्ट कीजिए - 'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।'

(ii) 'सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा.....' किसे और क्यों कहा गया है?

(iii) यज्ञ की आग की क्या विशेषता होती है? संन्यासी की स्मृति की तुलना इस आग की 'आँच' से क्यों की गई है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : $3\times3 = 9$

(क) शहरों के चौराहों पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का क्या उद्देश्य होता है? उस मूर्ति के प्रति लोगों के क्या कर्तव्य होने चाहिए? 'नेताजी का चश्मा' पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर दीजिए।

(ख) 'एक कहानी यह भी' - आत्मकथ्य की लेखिका के व्यक्तित्व को बनाने में किस-किस का किन रूपों में योगदान रहा?

(ग) 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ में स्त्री शिक्षा के विरोधियों ने किन तर्कों के आधार पर अपने पक्ष को पुष्ट किया है?

(घ) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का प्रारम्भिक परिचय देते हुए बताइए कि उनमें संगीत के प्रति आसक्ति किनके गायन और संगीत को सुनकर हुई थी?

15. (क) 'संस्कृति' पाठ के लेखक ने वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा है और क्यों? 3

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब के किन हावभावों से लगता है कि वे बातचीत के लिए उत्सुक नहीं हैं? 2

16. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) 'माता का आँचल' पाठ के शीर्षक की उपयुक्तता पर विचार कीजिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $2\times3 = 6$

(क) 'और देखते ही देखते नई दिल्ली का कायापलट होने लगा' - नई दिल्ली के कायापलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रकृति ने जल-संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'एही ठैंयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर बताइए कि भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी ने अपना योगदान किस प्रकार किया?

(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता किस तरह महसूस किया?

प्रश्नपत्र संख्या 3/1

खंड— 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हम जानते हैं कि आदमी जानवर की तरह स्वतंत्र नहीं हैं, इसी से वह आदमी है। जहाँ वह रहता है उसे जंगल नहीं कहते, नगर कहते हैं, समाज कहते हैं। यानी आदमी वह है जिसके लिए स्व ही सब-कुछ नहीं है, जिसे पर का भी ध्यान है। इसी आपसीपन के विकास में आदमी का विकास है, इसी में उसकी संस्कृति और सभ्यता है।

स्व को लेकर तो हम जन्मे ही हैं। उस स्वत्व के आधार पर हम संपत्ति की रचना करते हैं, यानी स्वत्व का विस्तार करते हैं। स्व का विस्तार पर को अपनाने के द्वारा होता है। ऐसे विवाह होता है और परिवार बनता है - संपत्ति की नींव पड़ती है। 'यह मेरा' - यानी मैं इसके लिए जिम्मेदार हूँ। मेरी स्त्री, मेरा बच्चा, मेरा पति, मेरा पिता - ये सब नाते-रिश्ते यह जतलाने के लिए पैदा हुए कि हम एक दूसरे के लिए ज़िम्मेदार हैं, एक दूसरे के दायित्व में आपस में बँधे हैं। आदमी मेहनत करके जितना जो लाता है, पारिवारिकों में बाँटकर खाता और भोगता है। यह हुई उसकी कमाई और उसमें से जो बना वह हुई उसकी संपत्ति। परिवार हमारे समाज की इकाई है। इस इकाई का स्व धर्म है कि वह संपत्ति बनाए और रखे। परिवार का एक दूसरा रूप भी है, और संपत्ति बनाने का क्षेत्र उस दूसरे से सीमित है। कुछ दूरी पर संपत्ति दूसरे की शुरू हो जाती है और वहीं उसकी अपनी सीमा आ जाती है। सीमा किसी को अच्छी नहीं लगती। ऐसी अवस्था में तीसरी चीज़ आदमी ने पैदा की और

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

वह थी सत्ता। सत्ता यानी आपसीपन की वह शक्ति, जिसके सहारे सपंत्ति का नियमन रहे और सबके स्वत्व संयत रहें। यह एक पंचायत-भाव था, एक तरह से अपने भीतर से उठा नैतिक नेतृत्व था, सत्ता के पास केवल नियमन की शक्ति थी। सत्ता का मतलब था सम्मिलित भाव।

अब मानव-समाज फैल गया है, जटिलताएँ बढ़ गई हैं, लाखों-लाख आदमी मंज़िलों में एक-दूसरे के सिर पर रहने को विवश हो गए हैं। अब धन कागज़ी हो गया है। जिसके पास 'कागज़' प्रचुर मात्रा में है, वह कुछ भी करता नहीं दीखता। श्रम जिसके पास है, उसके पास 'कागज़' का अभाव है। इससे समाज में विषमता पैदा हो रही है, फटाव बढ़ रहा है। इसका निदान यही है कि संपत्ति जितनी है, सारे समाज की रहे और सबको आवश्यकतानुसार मिले। ऐसे आपा-धापी नहीं रहेगी और समाज खुशहाल होगा। शोषण नहीं होगा, दैन्य नहीं होगा और दुख भी नहीं होगा।

(i) 'स्व' और 'पर' का क्या अर्थ है? 1

(ii) संपत्ति की रचना में स्वत्व का क्या स्थान है? 1

(iii) परिवार की रचना का मूल आधार क्या है? 1

(iv) परिवार और संपत्ति का क्या सम्बन्ध है? 1

(v) सत्ता क्या है? उसका जन्म किस लिए हुआ? 1

(vi) मानव-समाज के फैलने के क्या दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं? 2

(vii) लेखक ने इन दुष्परिणामों के निराकरण के क्या उपाय सुझाए हैं? इन उपायों के क्या परिणाम होंगे? 1

(viii) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ix) निम्नलिखित के समानार्थी बताइए : 1

प्रचुर, जटिलता।

(x) 'विषमता' और 'संपत्ति' के विपरीतार्थी शब्द लिखिए। 1

(xi) 'स्वत्व' और 'उपार्जन' शब्दों से प्रत्यय और उपसर्ग अलग कीजिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×4 = 8

बोल मेरी आरती, कुछ बोल,

और मेरी अर्चना में क्या कमी है?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

स्नेह का हर कण लुटाया है दिए को,

संयमित ऐसा किया भावुक हिए को;

दीखती सब ओर मूरत एक ही है -

चित्र लाखों किन्तु सूरत एक ही है;

सत्य जो कुछ भी लगा, मैंने कहा है,

फल मिला जो कुछ, उसे मैंने सहा है;

और भी जो सत्य होगा, वह कहूँगा -

और भी जो कुछ मिलेगा, वह सहूँगा;

बोल मेरे विश्व, कुछ तो बोल,

और मेरी साधना में क्या कमी है?

आदमी का दिल बहुत करुणा-भरा है,

प्यार की प्यासी बहुत मेरी धरा है;

भूमि को मेरी, दया का दान दो तुम -

आदमी को प्यार का वरदान दो तुम;

स्वप्न मेरा स्वर्ग से कितना बड़ा है,

स्वर्ग का हर भाग सपने में जड़ा है;

प्रार्थना का स्वर बड़ा कमज़ोर, बल दो -

गीत को मेरे, निवेदन में बदल दो;

बोल मेरे अश्रु, कुछ तो बोल,

और मेरी वेदना में क्या कमी है?

(i) कवि दिये को अपना स्नेह क्यों देना चाहता है? उसे सब ओर एक ही मूरत क्यों दिखाई दे रही है?

(ii) कवि सत्य बोलने और उसके परिणामों को सहने की प्रतिज्ञा से क्या संदेश दे रहा है?

(iii) वह भूमि के लिए दया और आदमी के लिए प्यार के वरदान की याचना क्यों कर रहा है?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iv) 'स्वप्न' शब्द से क्या अभिप्राय है, वह स्वर्ग को अपने स्वप्न में क्यों जड़ना चाहता है?

अथवा

हर गली
हर मोड़ पर
निज फन उठाए
जी रहे हैं सर्प ज़हरीले
डस रहे हैं राहगीरों को
और खुद भी पड़ रहे नीले!

किन्तु उनको देख हम पाते नहीं
ढूँढ़ कर आगे उन्हें लाते नहीं
इस समस्या पर न कोई
गौ़र करता है
बोलता कुछ और है तो
और करता है।

इसलिए अब
कर्णधारों से हमारी माँग है
चाहिए हम को चिकित्सक
दो तरह के
एक वे जो
सर्पगण का ज़हर फूँकें
और उनको सभ्य कर दें।
दूसरे
जो राहगीरों को बचा दें मौत से
नीले न पड़ने दे उन्हें।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

आदमी तो सभ्य होते हैं

सर्प भी यदि सभ्य बन जाएँ

तो धरा पर देश हर

खुशहाल हो जाए

हाँ, खुशहाल हो जाए।

(i) 'जहरीले सर्पों' से कवि का क्या अभिप्राय है? राहगीरों को डसने से कवि का क्या आशय है?

(ii) ये ज़हरीले सर्प दिन-प्रतिदिन गंभीर समस्या क्यों बनते जा रहे हैं?

(iii) कवि देश के कर्णधारों से क्या माँग रहा है?

(iv) 'आदमी तो सभ्य होते हैं, सर्प भी यदि सभ्य बन जाएँ।'

काव्यांश का आशय समझाइए।

खण्ड 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 10

(क) आँखों देखा मैच - मैच और खेल का नाम, कब और कहाँ, मैच का आरंभ, चरमसीमा, दर्शकों की प्रतिक्रिया, मैच का अंत, आपकी चहेती टीम हारी/जीती।

(ख) बाल श्रमिक - बाल श्रमिक कौन, श्रमिक के रूप में उनकी दिनचर्या, छोटे-बड़े व्यवसायियों द्वारा शोषण, प्रशासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के प्रयास।

(ग) सर्वशिक्षा-अभियान - शिक्षा का महत्व, साक्षर की उपयोगिता, निरक्षरता के कारण, इस दिशा में आपका योगदान।

4. आगामी वर्ष से दसवीं कक्षा की बोर्ड-परीक्षा के हटाए जाने के पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रकट करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

वन-महोत्सव के अवसर पर आपके नगर की कल्याण-समिति नगर में निःशुल्क पौधे-वितरित करना चाहती है। समिति के सचिव की ओर से नगर की पौधशाला के अधीक्षक को पत्र लिखकर पौधों की व्यवस्था के लिए अनुरोध कीजिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

खण्ड 'ग'

5. (क) क्रियापद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए : 2

(i) नवाब साहब थककर लेट गए।

(ii) उसने संगीत के लिए उत्साह नहीं दिखाया।

(ख) दो अव्यय पद पहचान कर उनके भेद भी लिखिए : 2

(i) वह बहुत बोलता है।

(ii) मुझे आपकी मदद चाहिए, इसलिए आया हूँ।

6. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 2

तुम तो मेधावी छात्र हो।

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए : 3

(i) तुम छत पर जाकर छोटे भाई को पतंग उड़ाना सिखाओ। (संयुक्त वाक्य में)

(ii) वह प्रातःकाल होते ही अपने काम पर लग जाता है। (मिश्र वाक्य में)

(iii) देश को ऐसे युवा चाहिए जो अनुशासित हों। (सरल वाक्य में)

8. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : 3

(i) पानवाले ने साफ़ बता दिया। (कर्मवाच्य में)

(ii) माँ अब रो भी नहीं सकती। (भाववाच्य में)

(iii) नेताजी द्वारा देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया गया। (कर्तृवाच्य में)

9. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नाम नामोल्लेख कीजिए : 3

(i) मधुर मृदु मंजुल मुख मुसकान।

(ii) दुख हैं जीवनतरु के फूल।

(iii) लम्बा होता ताड़ का वृक्ष मानो छूने अंबर तल को।

खण्ड 'घ'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।

का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।

छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।

बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।

बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।

सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(i) लक्ष्मण धनुष टूटने के बारे में क्या-क्या तर्क दे रहे हैं?

(ii) 'केवल मुनि जड़ जानहि मोही' कहकर लक्ष्मण को क्या बता देना चाहते हैं?

(iii) अपनी भुजाओं के बल के बारे में परशुराम ने क्या कहा?

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात.....

छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात

परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,

पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण'।

(i) कवि ने बच्चे की मुसकान को 'दंतुरित' क्यों कहा? उसे वह कैसी लग रही है?

(ii) बच्चे के अंग कैसे हैं? वे कवि को किसके समान प्रतीत हो रहे हैं?

(iii) आशय स्पष्ट कीजिए - 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण'

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(क) गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने प्रेमभाव की गहनता को किस प्रकार प्रकट किया है? सूरदास-रचित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है।

(ग) 'छाया मत छूना' कविता में कौन-कौन-सी बातें दुख का कारण बताई गई हैं?

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी है?

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5 = 5

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,

सुमन झिंगूला सोहै तन छबि भारी दै।

पवन झुलावै, केकी-कीर बतरावैं 'देव',

कोकिल हलावै-हुलसावै कर तारी दै।।

पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,

कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।

मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि,

प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।।

(i) यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?

(ii) काव्यांश में किस छन्द का प्रयोग हुआ है?

(iii) पूरे पद में कौन-सा अलंकार प्रधान रूप से प्रयुक्त हुआ है?

(iv) राई नोन उतारने के बारे में कवि ने क्या कल्पना की है?

(v) पद में प्रयुक्त अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

कहीं साँस लेते हो,

घर-घर भर देते हो,

उड़ने को नभ में तुम

पर-पर कर देते हो,

आँख हटाता हूँ तो

हट नहीं रही है।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

पत्तों से लदी डाल

कहीं हरी, कहीं लाल,

कहीं पड़ी है उर में

मंद-गंध-पुष्प-माल

पाट-पाट शोभा-श्री

पट नहीं रही है।

(i) कविता में किसके सौन्दर्य का चित्रण है?

(ii) इस सौन्दर्य से कवि की आँख क्यों नहीं हट रही है?

(iii) कविता से छायावादी प्रवृत्ति की कोई पंक्ति चुनिए।

(iv) पद्यांश की भाषागत विशेषता का उल्लेख कीजिए।

(v) शब्दों की आवृत्ति में किस अलंकार की छटा दिखाई पढ़ती है?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

पिताजी की आज़ादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ। हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आज़ादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिताजी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेन्द्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

(i) लेखिका और उसके पिता के मध्य मनमुटाव का क्या कारण था?

(ii) लेखिका की रंगों में लहू की जगह लावा क्यों बह रहा था?

(iii) लेखिका के लिए निर्धारित निषेध और वर्जनाएँ क्या थीं? वे किसके कारण ध्वस्त हुई?

अथवा

हमारी समझ में मानव-संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे के आविष्कार कराती है, वह भी संस्कृति है; जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी है; और

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है। और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीक़े; सब हमारी सभ्यता है। मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे संस्कृति कहें या असंस्कृति? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?

(i) लेखक ने योग्यता के किन-किन रूपों को संस्कृति माना है?

(ii) सभ्यता के विषय में लेखक की धारणा क्या है? वह किसे असभ्यता मानता है?

(iii) लेखक की दृष्टि में संस्कृति का मूल आधार क्या है? उसके अभाव में वह क्या कहलाती है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : $3\times3 = 9$

(क) 'शहनाई और काशी से बढ़कर कोई जन्नत नहीं इस धरती पर' - बिस्मिल्ला खाँ के इस कथन के आधार पर उनके शहनाई-वादन और काशी-प्रेम से सम्बन्धित कुछ घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) द्विवेदी जी ने 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ में किन तर्कों के आधार पर स्त्री-शिक्षा का समर्थन किया है?

(ग) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए कि फ़ादर बुल्के के बारे में यह क्यों कहा गया है कि वे संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं।

(घ) बालगोबिन भगत गृहस्थी होते हुए भी साधु क्यों कहलाते थे। पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

15. (क) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब के क्रियाकलाप से हमें उनकी जिस जीवन-शैली का परिचय प्राप्त होता है, क्या आज की बदलती परिस्थितियों में उसका निर्वाह सम्भव है? तर्कसहित उत्तर दीजिए। 3

(ख) हावलदार साहब हमेशा चौराहे पर रुककर नेताजी की मूर्ति को क्यों निहारते थे? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। 2

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) 'माता का आँचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ख) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर क्या चिंता और बदहवासी दिखाई देती है? वह किस मानसिकता का प्रमाण है?

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए: 2×3 = 6

(क) 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कैसे करते हैं।

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि...' यात्रा-वृत्तान्त की लेखिका को लॉग स्टॉक में घूमते चक्र को देखकर ऐसा आभास क्यों हुआ कि पूरे भारत की आत्मा एक-सी ही है?

(ग) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' पाठ की दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ?

(घ) हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा जाता है?

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

अंक – योजना – हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो जिस प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।

7. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।

8. बार-बार की एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।

10. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि न हो।

11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने - 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने **यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।**

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

प्रश्न-पत्र-संख्या 3/1/1

हिंदी 'अ'

खंड 'क'

1. (i) भारतीयता की भावना राष्ट्रव्यापी रही है। / यह किसी धर्म विशेष, राजनीति या भौगोलिक सीमाओं से संबद्ध न होकर मूलतः संस्कृति से संबद्ध है। 1

(ii)
- भारतीयता/ राष्ट्रीयता
- क्योंकि इस भावना के मूल में भारतीय संस्कृति की वे परंपराएँ और आदर्श हैं जिनका पालन समूचा राष्ट्र / देश साझे रूप में करता है। 1+1 = 2

(iii) शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं बल्कि दीनदुखियों की रक्षा करने तथा न्याय की रक्षा करने में करना चाहिए। 1

(iv) महापुरुषों द्वारा दिए गए आदर्शों ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया है। 1

(v)
- गाँधी जी को
- क्योंकि उन्होंने देश में मानव मूल्यों को जगाया, आत्मविश्वास की भावना पैदा की। ½+½ = 1

(vi)
- जातिवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद, आतंकवाद/ वे प्रवृत्तियाँ जो देश का विघटन करती हैं।
- हमारा संकुचित दृष्टिकोण तथा भारतीय आदर्शों और मूल्यों की जानकारी का अभाव। 1+1 = 2

(vii) भारतीयता / राष्ट्रीयता / राष्ट्रीयता की भावना (या कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक देने पर पूर्ण अंक दें।) 1

(viii)
- राष्ट्र -देश
- विशाल - बड़ा/ विस्तृत ½+½ = 1

(ix)
- आदर्श - यथार्थ
- व्यापक - संकुचित / संकीर्ण / सीमित ½+½ = 1

(x)
- उपसर्ग - दुर् / उप/ प्रति
- प्रत्यय - ता ½+½ = 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

2. (i) • युवाओं को / देशवासियों को
• बलिदान और समाज को नया स्वर देने के लिए। 1+1 = 2

(ii) समाज के भेदभावों को मिटाकर, रूढ़ियों से मुक्ति पाकर, गिरे हुओं को गले लगाकर। 2

(iii) • विध्न - बाधाओं की चुनौतियों को स्वीकार करना।
• हँसते-हँसते कष्टों को सहना और आगे बढ़ना। 1+1 = 2

(iv) यदि वास्तविक जीवन जीने की अभिलाषा है तो राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने के लिए तैयार रहो। 2

अथवा

(i) अधिकारों की चिंता करने से कर्तव्य पालन करना अधिक महत्त्वपूर्ण है। 2

(ii) • तेज़ - तेज़ वही है जो अपने संगी-साथियों के आँसू सुखाता है।
• सुमन - सुमन वही है जो औरों को हँसते-खिलते देख प्रसन्न होता है। 1+1 = 2

(iii) • जिस मन के भीतर आनंद, उल्लास और तृप्ति का भाव होता है।
• ऐसे मन में दुख के लिए कोई स्थान ही नहीं होता। 1+1 = 2

(iv) यदि मन फूलों अर्थात सद्गुणों की ओर लगा रहे और हमारी सोच सकारात्मक हो तो जीवन के काँटे अर्थात कठिनाइयाँ और दूसरों के अवगुणों की ओर ध्यान ही नहीं जाता। 2

खंड 'ख'

3. निबंध

(i) भूमिका/प्रस्तावना 1

(ii) विषय - प्रतिपादन 5

(iii) उपसंहार 1

(iv) भाषा-शुद्धता 1

(v) प्रस्तुति/समग्र प्रभाव 2

कुल अंक 10

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

4. पत्र

प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएँ

(पता, दिनांक, संबोधन, समापन) 2

विषय सामग्री व प्रस्तुति 2

भाषा-शुद्धता 1

कुल अंक 5

खंड 'ग'

5. (क) (i) देता है - सकर्मक क्रिया

(ii) ललचाता है - अकर्मक क्रिया 1+1 = 2

(ख) (i) के बिना - संबंधबोधक अव्यय

(ii) इसलिए - समुच्चयबोधक अव्यय 1+1 = 2

6. मैं - सर्वनाम, पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक ½+½+½+½ = 2

बनारस - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(व्याकरणिक कोटि/पद की सही पहचान और अन्य में से किसी एक का उल्लेख)

7. (i) मैंने खाना बनाया और अपने काम पर चली गई।

(ii) जो कार उसने खरीदी है, वह बहुत मँहगी है।

(iii) मेरी पुस्तक सब पंसद करते हैं/ मेरी पुस्तक को सब पसंद करते हैं। 1+1+1 = 3

8. (i) ऐसे समाचार को सुन कर माँ से रोया भी नहीं गया /जा सका।

(ii) नेताजी द्वारा कंबल बाँटे जा रहे हैं।

(iii) तुम्हें इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। 1+1+1 = 3

9. (i) उपमा अलंकार 1

(ii) रूपक अलंकार 1

(iii) अनुप्रास अलंकार 1 = 3

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

10. (i) • कृष्ण के मित्र

• गोपियाँ व्यंग्य करती हैं कि उद्धव भाग्यशाली हैं कि कृष्ण के संग रहते हुए भी उन पर कृष्ण के प्रेम का रंग नहीं चढ़ा है। 1+1 = 2

(ii) • जल में कमल के पत्तों और जल में तेल की गगरी के उदाहरणों से।

• जिस प्रकार जल में रहते हुए भी कमल के पत्तों और तेल की गगरी पर पानी की बूँद तक नहीं रहती, उसी प्रकार कृष्ण के संपर्क में रहते हुए भी उद्धव उनके प्रेम से अछूते हैं। 1+1 = 2

(iii) क्योंकि वे उद्धव की तरह ज्ञानी नहीं है। उनकी दशा गुड़ में लिपटी चींटी की भाँति हो गई है। 1+1 = 2

अथवा

(i) • गरजने की

• बच्चों की कल्पना के समान। 1+1 = 2

(ii) • बादल अपने हृदय में विद्युत अर्थात् क्रांति / परिवर्तन के स्वर छिपाए हुए है।

• बादल प्रकृति और प्राणियों को नया जीवन देते हैं। कवि नए समाज की रचना करता है। 1+1 = 2

(iii) कवि बादल से आग्रह करता है कि भीतर की वज्र जैसी कठोरता के द्वारा संसार को नव-निर्माण के स्वरों से भर दे। 2

11. (क) क्रोधी और बड़बोले, घमंडी, आत्मप्रशंसक, शूरवीर और यौद्धा। 3

(किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित)

(ख) प्रेमिका के साथ बिताए गए अल्प अवधि के क्षण उन्हें सुखद स्वप्न की तरह लगे। यह स्वप्न पूरा होने से पहले ही टूट गया। 3

(ग) मृतक में प्राण भर देने वाली, उत्साह का संचार करने वाली, झोंपड़ी में खिले कमल के समान, पत्थर में भी प्राणभाव का संचार करने वाली। 3

(घ) ऐसे व्यक्ति ही दूसरों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करते हैं। सफलता के शिखर पर पहुँचते हुए लोग जब डगमगाने लगते हैं तो संगतकार जैसे लोग ही उनका सहारा बनते हैं। 3

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

12. (i) ब्रज भाषा। 1

(ii) कटि किंकिनि, हिये हुलसै, पट-पीत, जय-जग। 1

(कोई एक उदाहरण)

(iii) संसार रूपी मंदिर में श्रीकृष्ण दीपक के समान सुंदर प्रतीत होते हैं। 1

(iv) रूपक अलंकार 1

(v) सवैया छंद।

अथवा

(i) पुरानी स्मृतियाँ, भ्रम या दुविधा के संदर्भ में 1

(ii) सुरंग सुधियाँ सुहावनी/दुख दूना। 1

(iii) खड़ी बोली/तत्सम प्रधान शब्दावली/ माधुर्य गुण 1

(iv) 'सुरंग सुधियाँ सुहावनी / छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी। 1

(v) क्षण की जीवंतता को और उसकी ताजगी को दर्शाया गया है। 1

13. (i) उनकी इच्छा जीवन के अंतिम क्षण तक प्रभु-भक्ति में डूबे रहने और नियम, व्रत एवं संकल्प निभाने की थी, जिसका पालन उन्होंने किया। 2

(ii) • आश्रय या सहारा।

• क्योंकि वे सद्गृहस्थ होने के साथ-साथ एक सच्चे साधु भी थे। 1+1 = 2

(iii) • जवानी के दिनों के नियम-उपवास बुढ़ापे में बीमारी की हालत में भी नहीं छूटे।

• जवानी वाली मस्ती बुढ़ापे में भी बनी रही। 1+1 = 2

अथवा

(i) फादर की मृत्यु पर रोने वालों की संख्या बहुत थी, उनकी गिनती करना ठीक न होगा, क्योंकि इससे दुख और भी बढ़ जाएगा। 2

(ii) • फादर बुल्के को।

• क्योंकि वे अपने वात्सल्य और करुणा की शीतल छाया सभी को प्रदान करते थे। वे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे। 1+1 = 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iii) • यज्ञ की पवित्र अग्नि ऊर्जा और आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है।

• क्योंकि फादर की स्मृति भी ऊर्जा, शांति और प्रेरणा देती है। 1+1 = 2

14. (क) • प्रसिद्ध व्यक्तियों के प्रति जनता में आदर-सम्मान उत्पन्न करना।

• शहर का सौंदर्य बढ़ाना।

• उनके योगदान से सभी को अवगत कराना।

• मूर्तियों के प्रति लोगों का कर्तव्य होना चाहिए कि वे उन्हें साफ-सुथरा रखें, जीवन और कार्यों के बारे में बताएँ, उनसे संबंधित कार्यक्रम आयोजित करें। 1½+1½ = 3

(ख) • पिता और कॉलेज की हिंदी प्राध्यापिका श्रीमती शीला अग्रवाल का।

• पिता ने काले रंग की हीन भावना, शक्की स्वभाव, विचारों के टकराव से उत्पन्न कुंठा दी तथा बाद में मित्रों से प्रशंसा सुनकर घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर गोष्ठियों में जाने के लिए प्रेरणा दी।

• शीला अग्रवाल ने साहित्य को समझने की दृष्टि दी, पुस्तकों का चयन करना, बहस करना और आंदोलनों में सक्रिय भाग लेना सिखाया। 1+1+1 = 3

(ग) यह कहकर कि इतिहास-पुराणों में स्त्रियों के पढ़ने की नियमबद्ध प्रणाली नहीं।

संस्कृत नाटकों में कुलीन स्त्रियों द्वारा अनपढ़ों की भाषा का प्रयोग हुआ है।

शकुंतला, गार्गी और मंडन मिश्र की पत्नी के संदर्भों द्वारा। 3

(घ) • डुमराँव के संगीत प्रेमी और शहनाई वादक परिवार में जन्म।

• रसूलनबाई और बतूलनबाई की ठुमरी, टप्पे और दादरा सुनकर प्रेरित हुए।

• नाना और मामा के परिवार से प्रेरणा।

• गीता बाली और सुलोचना से प्रेरणा। 1+2 = 3

15. (क) नई चीज़ की खोज करने वाले को।

क्योंकि हमारी संस्कृति का एक बड़ा अंश इन्हीं व्यक्तियों की देन है। वे पेट भरा होने और तन ढका होने पर भी निठल्ले नहीं बैठते। 1+2 = 3

(ख) • ऐसी दृष्टि से उन्होंने लेखक की ओर देखा जैसे उनके एकांत में विघ्न पड़ गया हो।

• लेखक की उपस्थिति या साथ में उन्होंने कोई उत्साह नहीं दिखाया।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

- असुविधा व संकोच प्रदर्शित किया।
- अनिच्छा से अभिवादन किया और खीरा खाने को कहा। 2

16. (क) बच्चे माँ के आँचल में अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं। लड़के का यद्यपि पिता से अधिक लगाव था किंतु विपदा के समय बालक माता के आँचल में ही आश्रय लेना निरापद समझता है। यह बात माँ की महत्ता को प्रतिपादित करती है। 4

(ख) गंतोक रहस्यमय और जादूभरा लग रहा था। सितारों के गुच्छे रोशनियों की एक झालर सी बना रहे थे। वह सितारों भरी रहस्यमयी रात लेखिका के मन में सम्मोहन जगा रही थी। कुछ इस कदर कि उन जादू भरे क्षणों में उसका सब कुछ स्थगित था, अर्थहीन था, उसके भीतर-बाहर सिर्फ शून्य था। 4

17. (क) नई रोड़ी डालकर सड़कों की मरम्मत की गई, पेड़ों को काट-छाँटकर आकर्षक बनाया गया, इमारतों पर रंग-रोगन और रोशनी की व्यवस्था की गई। सड़कों के दोनों और हरियाली, झंडे और पताकाओं का प्रबंध किया गया। 2

(ख) हिमशिखर जल स्तंभ के समान हैं। प्रकृति बर्फ के रूप में जल संग्रह करती है और गर्मी में यही बर्फ पिघलकर धरती और प्राणियों की प्यास बुझाती है। 2

(ग)
- फेंकू सरदार द्वारा दी गई विदेशी धोतियों के कोरे बंडल को विदेशी वस्त्रों की होली में जलाना।
- टुन्नू की मृत्यु पर अंग्रेजों द्वारा जबरदस्ती गाने के लिए कहने पर खादी की धोती पहनकर शोक गीत गाना। 2

(घ) हिरोशिमा नगर की गलियों से गुजरते हुए जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया को देखकर लेखक को धक्का लगा। गहरी अनुभूति हुई कि जब विस्फोट हुआ होगा तब रेडियोधर्मी किरणों के प्रभाव से झुलसा हुआ व्यक्ति भाप बनकर उड़ गया होगा। यह दृश्य लेखक के अंतर्मन को इतना गहरा छू गया कि उसने स्वंय को विस्फोट का भोक्ता महसूस किया। 2

प्रश्न-पत्र-संख्या 3/1

हिंदी 'अ'

खंड 'क'

1. (i) अपना पराया ½+½ = 1

(ii) स्वत्व के आधार पर ही संपत्ति की रचना होती है। 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iii) 'स्व' का विस्तार करके 'पर' को अपनाने से विवाह होता है और फिर परिवार बनता है। 1

(iv) परिवार बनने से संपत्ति की नींव पड़ती है तथा परिवार में आदमी मेहनत करके जो जितना लाता है उसे परिवार में बाँटकर खाता और भोगता है, वह उसकी कमाई है और उससे जो बनता है, वह उसकी संपत्ति है। 1

(v) आपसीपन की शक्ति सत्ता है, उसका जन्म संपत्ति के नियमन तथा स्वत्व को संयत करने के लिए हुआ है। 1

(vi) जटिलताएँ बढ़ गई हैं, लाखों-लाख लोग बहुमंजिला भवनों में एक-दूसरे के सिर पर रहने को विवश हैं। अब धन कागज़ी हो गया है। 2

(vii) • संपत्ति सारे समाज की रहे और सबको आवश्यकतानुसार मिले।

• आपाधापी, शोषण, दैन्य नहीं होगा तथा समाज खुशहाल होगा। ½+½=1

(viii) मानव समाज / स्वत्व का विस्तार
(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य हैं।) 1

(ix) • बहुत/ काफी / अधिक,

• दुरूहता / कठिनाई ½+½=1

(x) समता / समानता

विपत्ति ½+½=1

(xi) त्व- प्रत्यय,

उप - उपसर्ग ½+½=1

2. (i) दीया ईश्वर / प्रियंतम / आराध्य का प्रतीक या प्रतिरूप है, इसलिए उसे स्नेह देना चाहता है। प्रियतम/ ईश्वर के प्रति उसके मन में एकनिष्ठ भक्ति /समर्पण/ आस्था/ विश्वास का भाव निहित है। 1+1 = 2

(ii) अनुकुल- प्रतिकूल परिस्थितियों को समान (तटस्थ) रूप से सहने को तैयार रहने का संदेश और मुसीबतों से डरकर सत्य मार्ग से न विचलित होने का संदेश। 1+1 = 2

(iii) आदमी का दिल करुणा से भरा है, इसलिए उसे प्यार का वरदान चाहिए।

धरती प्यार की प्यासी है, इसलिए उसे दया का वरदान चाहिए। 1+1 = 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iv) • 'स्वप्न' शब्द का अर्थ है - मानव-मात्र के सुख की कल्पना।

• इसलिए जड़ना चाहता है, क्योंकि स्वर्ग सुख और आनंद का प्रतीक है, अतः अपने सपनों को स्वर्ग से महान बनाना चाहता है। 1+1 = 2

अथवा

(i) शोषक / सत्ताधारी / अन्यायी / अत्याचारी वर्ग। सामान्य व्यक्ति के जीवन में मुश्किलें पैदा करने से है। 1+1 = 2

(ii) ये बुरी प्रवृत्ति वाले लोग समाज में भय, आतंक और हिंसा फैलाने के कारण समस्या बनते जा रहे हैं। उनके भय और आंतक से सब भयभीत हैं, उन्हें रोकने में असमर्थ हैं। विरोध में बोलने वाला कोई नहीं। 2

(iii) दो तरह के चिकित्सक माँग रहा है - एक वे जो बुरे लोगों के मन की बुराइयों को दूर कर उन्हें सभ्य बनाएँ। दूसरे वे जो इन सामान्य लोगों को इनके आतंक के प्रभाव से बचाएँ और मनोबल बढ़ाएँ। 1+1 = 2

(iv) दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों को अच्छा इंसान बनाकर सभ्य बनाने से है। 2

खंड 'ख'

3. निबंध

भूमिका/प्रस्तावना	1
विषय - प्रतिपादन	5
उपसंहार	1
भाषा-शुद्धता	1
प्रस्तुति/समग्र भाव	2
	10

4. पत्र

आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ	1+1 = 2
(पता, दिनांक, संबोधन, समापन) विषय सामग्री व प्रस्तुति	2
भाषा-शुद्धता	1
(पत्र की औपचारिकताएँ दाएँ से हों अथवा बाएँ से, दोनों स्वीकृत की जाएँ)	**5**

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

खंड 'ग'

5. (क) (i) लेट गए - अकर्मक क्रिया ½+½=1

(ii) दिखाया - सकर्मक क्रिया ½+½=1

(ख) (i) बहुत - क्रियाविशेषण अव्यय ½+½=1

(ii) इसलिए - समुच्चयबोधक अव्यय ½+½=1

6. **तुम** - पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष एक वचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक ½+½=1

मेधावी - गुणवाचक विशेषण, विशेष्य- छात्र एकवचन, पुल्लिंग ½+½=1

(व्याकरणिक कोटि/ पद की सही पहचान और अन्य में से किसी एक का उल्लेख)

7. (i) तुम छत पर जाओ और छोटे भाई को पतंग उड़ाना सिखाओ। 1

(ii) जैसे ही/ ज्योंही/ जब प्रातः काल होता है, वह अपने काम पर लग जाता है। 1

(iii) देश को अनुशासित युवा चाहिए। 1

8. (i) पाने वाले के द्वारा साफ बता दिया गया। 1

(ii) माँ के द्वारा अब रोया भी नहीं जा सकता/ माँ के द्वारा अब रोया भी नहीं जाता। 1

(iii) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। 1

9. (i) अनुप्रास 1

(ii) रूपक 1

(iii) उत्प्रेक्षा 1

खंड 'घ'

10. (i) अन्य धनुषों के समान यह भी सामान्य धनुष है, धनुष पुराना और जर्ज़र था। श्रीराम के छूने मात्र से टूट गया। हम धनुष को तोड़ने में लाभ-हानि नहीं देखते। 2

(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख)

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ii) लक्ष्मण को परशुराम यह बताना चाहते हैं कि मैं बाल ब्रह्मचारी और अत्यधिक क्रोधी हूँ। क्षत्रिय कुल के शत्रु के रूप में विश्व-भर में विख्यात हूँ। मात्र तपस्वी ब्राह्मण नहीं हूँ। 2

(iii) मैंने अपनी भुजाओं के बल पर इस पृथ्वी को राजाओं से विहीन कर ब्राह्मणों को दान में दे दिया था। मैंने सहस्रबाहु की भुजाओं को अपने फरसे से काट डाला था। 2

अथवा

(i)
- शिशु के मुसकराते हुए दिखने वाले नए/छोटे दाँतों की सुंदर छवि के लिए कहा है।
- ऐसी जो मृतक में भी प्राण भरने वाली लग रही है। 1+1 = 2

(ii)
- बच्चे के अंग धूल से सने हुए/धूल-धूसरित हैं।
- वे कवि को कमल के समान प्रतीत होते हैं। 1+1 = 2

(iii) बच्चे के कोमल स्पर्श से निर्मम, कठोर एवं भावहीन मानव हृदय भी कोमल, सरस एवं भावपूर्ण बन जाता है। 2

11. (क)
- गोपियों ने स्वयं को कृष्ण - प्रेम रूपी गुड़ की चींटियाँ बताकर उनके प्रति अपना अनन्य प्रेम प्रकट किया है।
- उनके लिए कृष्ण 'हारिल' पक्षी की लकड़ी के समान हैं, जिनके प्रेम को उन्होंने दृढ़तापूर्वक अपने हृदय में बसा रखा है।
- गोपियाँ हर घड़ी कृष्ण-कृष्ण की रट लगाए रहती हैं। 1+1+1 = 3

(ख)
- अभी आत्मकथा को कहने का उपयुक्त समय नहीं आया है।
- आत्मकथा में अपने मन की दुर्बलताओं, कमियों और भूलों का उल्लेख करना पड़ता है, कवि यह करना नहीं चाहता।
- कवि को ऐसा लगता है कि उसकी आत्मकथा में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे दूसरों को कुछ प्रेरणा मिल सके।
- कवि व्यंग्य और उपहास का पात्र नहीं बनना चाहता। 1+1+1 = 3

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(ग)
- यथार्थ से मुहँ मोड़ना तथा कल्पना में जीना
- सुख की मृगतृष्णा में भटकना
- दुविधाग्रस्त मनःस्थिति
- समयानुकूल आचरण न करना
- पुरानी स्मृतियों से पीछा न छुड़ा पाना 1+1+1 = 3

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

(घ)
- कभी अपने रूप-सौंदर्य पर गर्व न करना
- आग का सदुपयोग करना- आग रोटी सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं।
- वस्त्र आभूषण पाकर भ्रमित न होना, ये स्त्री जीवन के बंधन है।
- लड़की होने पर भी लड़की जैसी मत दिखना अर्थात् साहसी एवं निडर बनकर रहना।
- अपनी कोमल भावनाओं (प्रेम, ममता, धैर्य आदि) का त्याग मत करना। 1+1+1 = 3

(कोई तीन बिन्दु अपेक्षित)

12. (i) ब्रज भाषा 1

(ii) कवित्त छंद 1

(iii) मानवीकरण/रूपक 1

(iv) शिशु को नज़र से बचाने के लिए पराग रूपी राई-नोन से नज़र उतारने की कल्पना की है। 1

(v) पूरित पराग / मदन महीप / बालक बसंत/ हलावै - हुलसावै / केकी-कीर आदि 1

अथवा

(i) फागुन के महीने में वसंत के अपार सौंदर्य का चित्रण है। 1

(ii) वसंत का सौंदर्य अपने चरम पर है। चारों ओर फसलें, फूल, पेड़, हरे-भरे पत्तों की शोभा-श्री से कवि की आँख नहीं हट रही है। 1

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(iii) टेक की पंक्तियों के अलावा कोई भी पंक्ति। 1

(iv) सहज, सरल एवं लययुक्त भाषा

तत्सम प्रधान शब्दावली, आलंकारिकता, कोमलकांत पदावली 1

(कोई एक)

(v) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार। 1

13 (i) लेखिका के पिताजी उन्हें घर में होने वाली गोष्ठियों में शामिल होने देते थे किंतु घर से बाहर लड़कों के साथ नारे लगाना, हड़तालें करना उन्हें नापसंद था, जबकि लेखिका ये सब करती थी। 2

(ii) क्योंकि पिताजी द्वारा लगाया गया हर बंधन उसके लिए असह्य हो गया था, अतः विद्रोह की भावना ने जन्म ले लिया। 2

(iii) • निषेध और वर्जनाएँ - नारे लगाना, हड़तालें करवाना, लड़कों के साथ घूमना।

• यह सिलसिला राजेन्द्र के साथ शादी करने के बाद ध्वस्त हुआ। 1+1 = 2

अथवा

(i) आग तथा सुई धागे का आविष्कार, तारों की जानकारी और महामानव से सर्वस्व त्याग कराने वाली योग्यता—इन रूपों को संस्कृति माना है।

(ii) • सभ्यता संस्कृति का परिणाम है।

• आत्म विनाश के साधनों का आविष्कार करके उनका मानव-कल्याण के विरुद्ध प्रयोग करने के परिणाम को लेखक ने असभ्यता माना है। 1+1 = 2

(iii) • आविष्कार करने की योग्यता संस्कृति का मूल आधार है।

• कल्याण की भावना से नाता टूटने पर वह असंस्कृति कहलाती है। 1+1 = 2

14 (क) • उन्होंने काशी में रहकर ही अपनी इस कला को निखारा और विश्वविख्यात हुए।

• वे बालाजी के मंदिर में शहनाई का रियाज़ नियमित रूप से करते थे।

• वे कहीं भी जाते, काशी की ओर ही मुख करके शहनाई बजाते।

• काशी में हुए दंगों से उनका हृदय व्यथित हुआ।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

- काशी की मलाई बर्फ, कुलसुम की कचौड़ियाँ आदि।
- फिल्म देखना, हनुमान जयंती, मुहर्रम में भाग लेना आदि। 1+1+1 = 3

(किन्हीं तीन का उल्लेख)

(ख)
- संस्कृत नाटकों में प्राकृत बोलना स्त्रियों के अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं है, उस समय बोलचाल की भाषा प्राकृत ही थी।
- पुराने समय में भी अनेक स्त्रियाँ विदुषी थीं, जिन्होंने बड़े-बड़े विद्वानों ओर ब्रह्मवादियों के छक्के छुड़ाए थे।
- भारत में वेद-मंत्रों पर तर्क, व्याख्या, शास्त्रार्थ करने वाली सुशिक्षित नारियाँ हुईं। 1+1+1 = 3

(ग)
- वे रिश्ते बनाकर तोड़ते नहीं थे।
- वे रिश्तों का निर्वाह करना जानते थे, संन्यासी प्रायः ऐसा नहीं करते।
- वे लोगों की खोज-खबर लेते व उनके दुख-दर्द में शामिल होते थे। 1+1+1 = 3

(घ)
- सुख-दुख की भावना से परे थे।
- पुत्र-मृत्यु के बाद उन्होंने पुत्रवधू को दूसरे विवाह के लिए मायके भेज दिया।
- वे खंजड़ी बजाते और गीत गाते, कबीर को अपना साहब मानते थे।
- वे अपनी कमाई कबीर को समर्पित करते थे। 1+1+1 = 3

(किन्हीं तीन का उल्लेख)

15. (क) 'हाँ' या 'नहीं' में से किसी एक पक्ष का तर्क संगत उत्तर अपेक्षित 3

(ख)
- वे एक देशभक्त थे।
- सुभाष जी की मूर्ति में गहरी आस्था/सम्मान था।
- मूर्ति पर चश्मे का न होना, बार-बार अलग प्रकार के चश्मे का लगना, और लगाने वाले के बारे में जिज्ञासा। 1+1 = 2

(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)

16. (क)
- माँ की स्नेह और वात्सल्यपूर्ण प्रवृत्ति
- बच्चे माँ के आँचल में छिपकर स्वंय को सुरक्षित महसूस करते हैं। 1+1+1 = 3

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

- माँ की महत्ता का वर्णन। 1
- इन बिंदुओं का विस्तार तथा प्रतिपादन, शैली और भाषा के लिए एक अंक। **(3+1 = 4)**

(ख) चिंता व बदहवासी के कारण -

- प्रदर्शनप्रियता को दर्शाना।
- सरकारी तंत्र से अनभिज्ञता।
- छोटी बातों पर सभा बुलाकर कोई निर्णय न ले पाना।
- गैरज़िम्मेदार अधिकारियों द्वारा किए गए कार्य।
- चापलूसी की प्रवृत्ति।
- दोषारोपण की भावना।
- काम से छुटकारा पाना। 2

(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख)

- मानसिकता- गुलामी की 1
- प्रतिपादन, शैली और भाषा के लिए एक अंक 1

(2+1+1 = 4)

17. (क)
- माता-पिता के साथ रहकर।
- अपनी चीजों को दिखाकर।
- माता-पिता द्वारा सिखाई बातों में रुचि लेकर।
- उनके साथ खेलकर।
- उनकी बातें मानकर। 1+1 = 2

(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)

(ख) इस प्रकार की आस्थाएँ और लोक विश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ सारे देश में विद्यमान है। 2

(ग)
- दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय खोजवाँ बाजार में हुए कजली दंगल में हुआ था।
- दुलारी खोजवाँ वालों की ओर से प्रतिद्वंद्वी थी, टुन्नू बजरडीहा वालों की ओर से प्रतिद्वंद्वी था। 1+1 = 2

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

(घ)
- जनजीवन एवं प्राकृतिक संतुलन अव्यवस्थित
- पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपंगता
- जनसंख्या असंतुलन
- स्वास्थ्य को प्रभावित करना 1+1 = 2

(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख)